अंश पुस्तकों से निकाल देने चाहिए। इस प्रकार की पुस्तकों को सरकार द्वारा रोक देना चाहिए।

→ पाठ्य-पुस्तकों के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर समिति की स्थापना की जानी चाहिए

→ राष्ट्रीय स्तर पर पाठ्य-पुस्तकों के निर्माण की योजना, शिक्षा मंत्रालय के योगदान से ही बनानी चाहिए।

→ प्रत्येक राज्य में पाठ्य-पुस्तक निर्माण विभाग की स्थापना की जानी चाहिए जिससे पुस्तकों की विषय-वस्तुओं के ऊपर नियंत्रण रखा जा सके।

→ पाठ्य पुस्तकों के निरन्तर सुधार के लिए आवश्यक मूल्यांकन हेतु विशेष सरकारी तंत्र की आवश्यकता होती है। इसलिए राज्य सरकारों को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाना चाहिए

→ यह एक दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि भारत के लेखकों को उचित पारिश्रमिक नहीं दिया जाता है। इसलिए पुस्तकों का स्तर स्वयं ही नीचे गिर रहा है।

→ आधुनिक प्रवृत्ति लघु पाठ्य पुस्तकों के पक्ष में है तथा यह विषय-वस्तु के उचित चयन पर बल देती है जो उचित नहीं है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि शिक्षण एक बहुमुखी और जटिल कार्य है। इसकी पाठ्य-पुस्तक अन्य विधियों की पाठ्यपुस्तक के समान सुनिश्चित उद्देश्यों से अलग नहीं रह सकती है। जैसा कि हम मातृभाषा की शिक्षा देते हुए वास्तव में हम भाषा के द्वारा सिखाए जाने वाले लगभग सभी विषयों की शिक्षा दे रहे होते हैं।

MR. BAIJU BAWRA
DOE
A. N. D. college
31.05.2020

B.Ed—1st
Course—I (a)
Unit—1
Topic—
Suggestion for Improvement in Textbook.

Suggestion for improvement in Text book

माध्यमिक स्तर तथा उच्च माध्यमिक स्तर की पुस्तकों में निरन्तर ही सुधार की आवश्यकता रहती है क्योंकि इस स्तर के लिए बालकों को नए ज्ञान की आवश्यकता होती है। पुस्तकों में नए ज्ञान को समाहित करना आवश्यक है इसलिए पुस्तकों के प्रत्येक संस्करण में सुधार की अपेक्षा रखी जाती है, जो उचित भी है, कई राज्यों में भ्रष्टाचार के कारण से शिक्षा काफी बदनाम हो गई है। कहीं पर पुस्तकों के पुराने संस्करण को ही नया कवर चढ़ाकर सरकारी विद्यालयों में बेच दिया जाता है। इसलिए सरकार ने इस दिशा में विशेष कदम उठाए हैं।

(सुझाव कोठारी आयोग एवं पुनः पाठ्य-पुस्तकों के विरुद्ध शिकायतों से संबंधित विशेष समिति (1996) द्वारा निम्नलिखित सिफारिशें की गयी हैं)

1. पाठ्य-पुस्तकों की विषय-वस्तु धर्म-निरपेक्षता पर आधारित हो, कई पुस्तकों की विषय-वस्तु साम्प्रदायिक तनाव की भावना उत्तेजित करने वाली है अतः ऐसे